संस्कृत

उद्देश्य

- प्रशिक्षुओं को बच्चों के संस्कृत भाषा सीखने की प्रक्रिया से अवगत कराना एवं प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों को स्पष्ट करना।
- विषयवस्तु से सम्बधित टी0एल0एम0 तैयार करने में प्रशिक्षित करना। संस्कृत की विषयवस्तु की समझ विकसित करना।
- संज्ञा, लिंग एवं वचन के माध्यम से बच्चों में शुद्ध उच्चारण एवं लेखन के कौशल का विकास करेंगे।
- शब्द व धातु रूप का ज्ञान कराते हुए उनके प्रयोग का कौशल विकसित करेंगे।
- संस्कृत भाषा के महत्व से परिचित होकर बच्चों में उच्चारण, वाचन, लेखन की दक्षता के विकास हेतु ऑडियो/वीडियो/आई0सी0टी0 का प्रयोग करना सिखाना।
- प्रशिक्षु को भाषा का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन करने में प्रशिक्षित करना।
- धातु रूप का ज्ञान कराते हुए उनके प्रयोग का कौशल विकसित करेंगे।
- संस्कृत भाषा के महत्व से परिचित होकर बच्चों में उच्चारण, वाचन, लेखन की दक्षता के विकास हेतु ऑडियो/वीडियो/आई0सी0टी0 का प्रयोग करना।
- प्रशिक्षु को भाषा का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन करने में प्रशिक्षित करना।
- संस्कृत ध्वनियों के उच्चारण स्थान से अवगत कराना एवं उनका शुद्ध उच्चारण हेतु प्रेरित करना।
- संस्कृत गद्यों, श्लोकों एवं लघु कहानियों के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीय प्रेम, पर्यावरण संरक्षण तथा लैंगिक समानता जैसे मानवीय मूल्यों को विकसित करना।
- बच्चों में सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने का कौशल विकसित करना।
- संस्कृत भाषा के महत्त्व से अवगत होकर बच्चों में संस्कृत के प्रति रूचि उत्तपन्न करना।
- संस्कृत भाषा के संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि के प्रयोग से दक्षता विकसित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई0सी0टी0 के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

सामान्य विषय–1

संस्कृत

कक्षा–शिक्षणः विषयवस्तु

- आस–पास की वस्तुओं, पषु–पक्षियों के संस्कृत नाम की जानकारी।
- संज्ञा, लिंग, एवं वचन की जानकारी।
- संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों के सभी विभक्तियों तथा वचनों का ज्ञान।
- धातु रूप के अन्तर्गत लट् एवं लंङ्, लकार का प्रयोग।
- संज्ञा एवं सर्वनाम शब्द के अनुरूप क्रिया के प्रथम, मध्यम एवं उत्तम पुरूषों का प्रयोग।
- सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद।
- वन्दना एवं नीतिपरक वाक्यों का सस्वर वाचन।
- श्लोकों तथा नीतिपरक वाक्यों का अर्थ ज्ञान।
- एक से बीस तक की संस्कृत संख्याओं का ज्ञान।
- संभाव शिक्षण विधाएँ–शिक्षक प्रशिक्षुओं को गेम, वीडियो क्लिप, ऑडियो क्लिप, करके सीखना, उच्चारणाभ्यास, अनुकरण वाचन, सामूहिक कार्य, खेल, अंभिनय, श्यामपट्ट, चार्ट, मॉडल, चित्र, शब्द कार्ड व पट्टिका के द्वारा गतिविधियाँ कराते हुए शिक्षण अधिगम सिखाना।

प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडलः प्रशिक्षु शिक्षकों को संस्कृत के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुॅचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video clip, Audio clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

- संस्कृत षिक्षण हेतु षिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण।
- संस्कृत षिक्षण हेतु गतिविधियों का निर्माण।
- संस्कृत भाषा में आत्म परिचय तैयार करना।
- नीतिपरक वाक्यों की पट्टिकाएं तैयार करना।
- संस्कृत में गिनतियों, धातुओं व रूपों पर मॉडल तैयार करना।
- श्लोक वाचन की एक ऑडियो/वीडियो क्लिप तैयार करना।